Roll No : .....

Total No. of Questions : **11**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AP–622

M.A. (Final) Examination, 2021

JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN AND YOGA

Paper - V

(Jain Epistemology, Anekant and Syadvada)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer any *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 7 × 5 = 35)**

Note :– Answer all *five* qustions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 7 × 5 = 35)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section–C **(Marks : 15 × 3 = 45)**

Note :– Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 15 × 3 = 45)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ) 2 each

1. (i) What do you mean by Syadvad ?

   स्याद्वाद से आप क्या समझते हैं ?

   (ii) Write the definition of Naya.

   नय की परिभाषा लिखिए।

   (iii) Is Anekant available in Advaita Vedant ?

   क्या अद्वैत वेदान्त में अनेकान्त उपलब्ध है ?

   (iv) Write the definition of Retention.

   स्मृति की परिभाषा लिखिए।

   (v) What do you mean by Knower (Pramata) ?

   प्रमाता से क्या समझते हैं ?

   (vi) Define Sthapana Nikshepa.

   स्थापना निक्षेप का लक्षण लिखिए।

   (vii) How is Anekant available in Samkhya Philosopy ?

   सांख्यदर्शन में अनेकान्त किस प्रकार उपलब्ध है ?

   (viii) Write 4th and 6th predications of sevenfold predications.

   सप्तभङ्गी नय के चतुर्थ एवं षष्ठ भङ्ग लिखिए।

   (ix) What is the nature of an object in Jain Philosophy ?

   जैन दर्शन में वस्तु का स्वरूप क्या है ?

   (x) Why Jain Philosophy criticize momentariness of Buddhism ?

   जैन दर्शन बौद्ध के क्षणिकवाद का खण्डन क्यों करता है ?

   (xi) What do you mean by Pararupa of an object ?

   वस्तु के पररूप से क्या आशय है ?

Section–B

(खण्ड–ब) 7 each

2. What is Nikshepa ? Describe Nikshepas.

   निक्षेप क्या है ? निक्षेपों का वर्णन कीजिए।

Or

(अथवा)

Write the definition of Naya and types of Naya.

नय की परिभाषा लिखिए। इसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. Explain Anekantvada.

   अनेकांतवाद को समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain Syadvada.

स्याद्वाद को समझाइए।

4. Explain *four* dimensional approaches of knowing reality.

   वस्तु को जानने के **चार** आयामिक द्वारों का विवेचन कीजिए।

Or

(अथवा)

Write analysis of Shabda Naya and Arth Naya.

शब्द नय एवं अर्थ नय को विश्लेषित कीजिए।

5. Explain the social importance of Syadvada.

   स्याद्वाद का सामाजिक महत्त्व समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain eightfold criteria of Naya and Pramana Saptabhangi.

नय एवं प्रमाण सप्तभङ्गी के भेदक आठ आधारों को समझाइए।

6. Explain Kevalgyan.

केवलज्ञान को समझाइए।

Or

(अथवा)

Define Avadhijñana according to 'Nandi Sutra'.

'नन्दीसूत्र' के अनुसार अवधिज्ञान को परिभाषित कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स) 15 each

7. Explain Anekant in various Indian Philosophies.

विभिन्न भारतीय दर्शनों में अनेकान्त का विवेचन कीजिए।

8. Write an essay on Jain Metaphysics.

जैन ज्ञानमीमांसा पर निबन्ध लिखिए।

9. Define knowledge on mind or explain Manah Paryaya Jñāna.

ज्ञान को परिभाषित करते हुए मनः पर्याय ज्ञान को समझाइए।

10. Explain the applications of Anekantavada in solving problems.

समस्याओं के समाधान में अनेकान्तवाद के प्रयोगों को स्पष्ट कीजिए।

11. Describe historical development of seven types of Naya.

सात नयों के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालिए।